What is Bitcoin in Hindi | बिटकॉइन क्या है और कैसे कमाया जा सकता है?

continuegyan.com/what-is-bitcoin-in-hindi

आपने बिटकॉइन के बारे में कहीं न कहीं जरुर सुना होगा और अगर आप नही जानते या बहुत कम जानते है **बिटकॉइन के बारे में**तो **(What is Bitcoin in Hindi)** आज के ब्लॉग-पोस्ट में आपको पता चल जायेगा। आज हम बात करेंगे- **बिटकॉइन क्या है, कैसे काम करता है, कैसे बिटकॉइन को कमाया जा सकता है**, इसको कहाँ रखा जाता है, इसके क्या फायदे और क्या नुक्सान है?

ये सब लेकर आपके मन में कई सारे सवाल होंगे, इंटरनेट की वजह से हम सब की जिंदगी बहुत आसान हो गयी है और सभी तरह की जानकारी हासिल करने से लेकर खरीदारी करना, टिकट बुकिंग करना वगेरह सारे काम हम इंटरनेट की मदद से कर सकते है।

आजकल इंटरनेट की मदद से पैसा कमाना भी मुमकिन हो गया है, बहुत सारे ऐसे तरीके है जिससे कि हम **घर बैठे ही इंटरनेट से पैसे कमा सकते है**। उन सभी तरीको में से एक तरीका है Bitcoin, जिससे हम बहुत सारे पैसे कमा सकते है।

What is Bitcoin in hindi?

बिटकॉइन एक Virtual Currency है जैसे दुनिया के बाकी Currencies होते है डॉलर, यूरो, रूपया वगेरह। ठीक उसी तरह से बिटकॉइन भी एक करेंसी है लेकिन डिजिटल करेंसी।

> बिटकॉइन बाकी करेंसी से बिलकुल अलग है क्योंकि इसे ना तो हम देख सकते है और ना ही रुपये की तरह अपने हाथो से पकड़ सकते है। **बिटकॉइन को हम सिर्फ ऑनलाइन वॉलेट में स्टोर करके रख सकते है**।

बिटकॉइन का अविष्कार Satoshi Nakamoto ने साल 2009 में किया था और तब से इसकी लोकप्रियता, इसकी पॉपुलैरिटी बढ़ती जा रही है। **बिटकॉइन एक Decentralized Currency है,** जिसका मतलब ये है कि इसे कंट्रोल करने के लिए कोई भी बैंक या सरकार इसमें शामिल नही है यानि कि इसका कोई मालिक नही है।

बिटकॉइन का इस्तेमाल कोई भी कर सकता है जैसे हम सब इंटरनेट का इस्तेमाल करते है और इंटरनेट का कोई मालिक नही है, ठीक उसी तरह से हम **बिटकॉइन का भी इस्तेमाल कर सकते है** और बिटकॉइन का भी कोई मालिक नही है।

Where to Use Bitcoin?

बिटकॉइन का इस्तेमाल हम ऑनलाइन पेमेंट करने के लिए या किसी भी तरह का ट्रांसक्शन करने के लिए कर सकते है। बिटकॉइन Peer to Peer नेटवर्क बेस्ड पर काम करता है जिसका मतलब ये होता है कि लोग एक दूसरे के साथ सीधा ही बिना किसी बैंक, बिना किसी क्रेडिट/डेबिट कार्ड के आसानी से ट्रांसक्शन कर सकते है।

बिटकॉइन को ट्रांसक्शन मेंइस्तेमाल करने के लिए सबसे तेज़ और सबसे कुशल माना जाता है। आजकल बहुत से लोग बिटकॉइन को अपना रहे है जैसे कि ऑनलाइन डेवेलपर्स, नॉन-प्रॉफिट आर्गेनाइजेशन और इसी तरह बहुत सारी कंपनियां है जो इसको अपना रही है।

इसी वजह से **बिटकॉइन का इस्तेमाल पूरी दुनिया में** ग्लोबल पेमेंट के लिए किया जा रहा है।

How Bitcoin Works

जैसे बाकी करेंसी का इस्तेमाल करके हम ऑनलाइन ट्रांसक्शन करते है तो बैंकों के पेमेंट प्रोसेस को हमें फॉलो करना होता है तभी जाकर हम पेमेंट कर पाते है और हमारे द्वारा किया गया हर ट्रांसक्शन का हिसाब हमारे बैंक अकाउंट में मौजूद होता है जिससे ये पता लगाया जा सकता है कि पैसे कब, कहाँ और कितने खर्च किये गये है।

लेकिन बिटकॉइन का तो कोई भी मालिक नही है इसीलिए इसके साथ किये गए ट्रांसक्शन एक Public Ledger में रिकॉर्ड होकर रहते है जिसे Bitcoin Blockchain कहते है। वहां पर बिटकॉइन के साथ किये गये सभी ट्रांसक्शन डिटेल्स स्टोर होकर रहते है और वहीं पर Blockchain में इसका प्रमाण होता है कि

ट्रांसक्शन हुआ है या नही।

Bitcoin Price in India

अगर आज की तारिख में बात करे तो आज एक बिटकॉइन की कीमत 6 लाख 44 हजार रुपये है और समय के साथ इसकी वैल्यू कम या ज्यादा होती रहती है क्योंकि इसको कंट्रोल करने के लिए कोई ऑथोरिटी, कोई गवर्नमेंट या बैंक नही है इसीलिए इसकी वैल्यू मार्केट डिमांड के हिसाब से हर पल बदलती रहती है।

What is Bitcoin Wallet?

बिटकॉइन को हम सिर्फ Electronically स्टोर करके रख सकते है, इसे रखने के लिए **बिटकॉइन वॉलेट** की जरुरत होती है।

बिटकॉइन वॉलेट अलग-अलग कंपनी के पास अनेक तरह के होते है जैसे कि Desktop Wallet, Mobile Wallet, Online Web Based Wallet, Hardware Wallet इनमे से किसी भी एक वॉलेट का इस्तेमाल करके हमें उसमे एक अकाउंट बनाना होता है और ये वॉलेट हमें एड्रेस के रूप में एक Unique ID देते है।

मान लीजिये आपने कहीं से **बिटकॉइन कमाया है** और उसे आपको अपने अकाउंट में स्टोर करना है तो वहां पर आपको उस एड्रेस/Unique ID की जरुरत पड़ेगी और उसी की मदद से आप **बिटकॉइन को अपने वॉलेट में रख सकते है**।

इसके अलावा अगर आपको **बिटकॉइन खरीदना है या बेचना है** तो आपको एक भरोसेमंद कंपनी की **Bitcoin Wallet** की जरुरत पड़ती है और उसके बाद आप जो बिटकॉइन बेचते है उसके बदले में आपको जितने भी पैसे मिलते है वो आप **बिटकॉइन वॉलेट से सीधे अपने बैंक अकाउंट में ट्रान्सफर कर सकते है**।

How to Earn Bitcoin?

बिटकॉइन को हम तीन तरीको से हासिल कर सकते है, पहला तरीका ये है कि अगर आपके पास पैसे है तो आप सीधे 6 लाख 44 हजार रुपये देकर 1 **बिटकॉइन खरीद सकते है**।

ऐसा भी जरुरी नही है कि आपको पूरा 1 बिटकॉइन ही खरीदना पड़ेगा बल्कि अगर आप चाहे तो **बिटकॉइन की सबसे छोटी यूनिट जिसे Satoshi कहा जाता है** वो आप खरीद सकते है।

जैसे कि **हमारे देश में 1 रूपया = 100 पैसे होते है** ठीक उसी तरह से **1 Bitcoin = 10 करोड़ Satoshi होते है** तो अगर आप चाहे तो बिटकॉइन की सबसे छोटी रकम यानि कुछ Satoshi खरीदकर धीरे-धीरे एक या उससे ज्यादा **बिटकॉइन जमा कर सकते है**।

जब आपके पास बिटकॉइन मौजूद हो जायेगा और उसका Price बढ़ जायेगा तब आप उसको बेचकर काफी पैसे कमा सकते है।

उदाहरण के लिए आज एक **बिटकॉइन की कीमत** है 6 लाख 44 हजार रुपये अगर आप 1 लाख रुपये के Satoshi खरीदते है और कल अगर इसकी कीमत 10 लाख रुपये हो जाती है ऐसे में अगर आप उन Satoshi को बेचते है तो वो बढ़े हुए कीमत पर बेचे जायेंगे, उसी से आपको इसमें फायदा होता है।

दूसरा तरीका ये है कि अगर आप ऑनलाइन किसी को कोई सामान बेच रहे हो और उस खरीददार के पास अगर बिटकॉइन मौजूद है तो उससे आप पैसे के बदले में बिटकॉइन ले लीजिये, ऐसे में आप उन्हें वो सामान भी बेच देंगे और आपको **बिटकॉइन भी मिल जायेगा** जो आपके **बिटकॉइन वॉलेट में स्टोर होकर रहेगा**।

अब अगर आप चाहे तो बाद में उस बिटकॉइन को किसी दूसरे व्यक्ति को ज्यादा दाम में बेचकर मुनाफा भी कमा सकते है।

तीसरा तरीका है **Bitcoin Mining**, इसके लिए आपको हाई स्पीड Processor और महंगे Graphic Card वाले कंप्यूटर की जरुरत पड़ेगी जिसका हार्डवेयर भी अच्छा होना चाहिए।

What is Bitcoin Mining

हम **बिटकॉइन का इस्तेमाल सिर्फ ऑनलाइन पेमेंट करने के लिए करते है** और जब कोई **बिटकॉइन से पेमेंट करता है** तो उस ट्रांसक्शन को Verify किया जाता है और जो इन्हें Verify करते है उन्हें Miners कहते है। इन Miners के पास हाई परफॉरमेंस कंप्यूटर और GPU या Antminer होता है और इसके जरिये ट्रांसक्शन को वेरीफाई करते है।

वो ये वेरीफाई करते है कि ट्रांसक्शन सही है या गलत है, इसमें किसी भी तरह की कोई हेराफेरी तो नही की गयी है। इस वेरिफिकेशन के बदले उन्हें **कुछ बिटकॉइन इनाम के तौर पर मिलते है** और **इस तरह से मार्केट में नए बिटकॉइन आते है**।

ये काम हर कोई नहीं कर सकता है, इसके लिए हाई स्पीड प्रोसेसर वाले कंप्यूटर की जरुरत पड़ती है और आपको भारी टेक्निकल नॉलेज के साथ-साथ प्रोग्रामिंग की भी थोड़ी-बहुत जानकारी होनी चाहिए।

जैसे कि हर देश में करेंसी को छापने की एक लिमिट होती है, ठीक उसी तरह से **बिटकॉइन के साथ भी कुछ सीमायें है**, कि **21 Million से ज्यादा बिटकॉइन मार्केट में नही आ सकते** है। यानि कि बिटकॉइन की सीमा सिर्फ 21 मिलियन है **उससे ज्यादा बिटकॉइन कभी पाए ही नही जायेंगे**

> अभी **मार्केट में 16.7 Million Bitcoins आ चुके है** और जो बचे हुए बिटकॉइन है वो माइनिंग के जरिये मार्केट में आएंगे।

Pros of Bitcoin

सबसे पहला फायदा ये है कि यहाँ पर आपका ट्रांसक्शन फीस क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड से पेमेंट करने के मुकाबले बहुत ही कम होता है।

अगर आप किसी चीज का पेमेंट क्रेडिट कार्ड से करते है या डेबिट कार्ड से करते है या अगर आप किसी दूसरे देश में पैसे भेजते है तो उसमे आपको काफी ज्यादा पेमेंट चार्ज देना होता है। लेकिन अगर आप **बिटकॉइन को कहीं ट्रान्सफर करते है** तो इसमें आपको एक मामूली सी फीस देनी होती है कोई बड़ा अमाउंट नही लगता है।

बिटकॉइन का दूसरा फायदा ये है कि इसे आप दुनिया में कभी भी, कहीं भी भेज सकते है बिना किसी परेशानी के। अगर आप अभी किसी दूसरे देश में पैसे भेजना चाहे तो उसमे काफी सारे Limitation होते है साथ ही काफी सारे चार्जेज लगेंगे।

लेकिन आप जब चाहे बिना किसी की मदद के सहारे **बिटकॉइन को दुनिया में किसी भी देश में कहीं भी Send/Receive कर सकते है**।

तीसरा फायदा ये है कि बिटकॉइन का अकाउंट ब्लॉक नही होता है जैसे कि कभी-कभी किसी कारण से बैंक हमारे क्रेडिट/डेबिट कार्ड को ब्लॉक कर देते है या फिर बैंक अकाउंट को ब्लॉक कर देते है, लेकिन बिटकॉइन का अकाउंट कभी ब्लॉक नही होता है।

अगर आप लॉन्ग-टर्म के लिए **बिटकॉइन में इन्वेस्ट करना चाहते है**तो आपको इससे काफी फायदा हो सकता है क्योंकि आजतक के रिकॉर्ड में ऐसा देखा गया है कि बिटकॉइन की जो कीमत है वो लगातार ऊपर-निचे हो रही है और हो सकता है कि इससे आपको बहुत ज्यादा फायदा मिले।

बिटकॉइन का एक और फायदा ये है कि बिटकॉइन की ट्रांसक्शन प्रोसेस में कोई भी सरकार या कोई भी अथॉरिटी आपके ऊपर नज़र नही रखती है तो ऐसे बहुत से लोग है जो इसका इस्तेमाल गलत कामो के लिए भी करते है, ये उनके लिए बहुत फायदेमंद होता है।

Cons of Bitcoin

जहाँ **बिटकॉइन के बहुत सारे फायदे है** तो वहीँ **बिटकॉइन के कुछ नुक्सान भी है** , सबसे पहला नुक्सान तो ये है कि बिटकॉइन को कंट्रोल करने के लिए कोई बैंक, अथॉरिटी या कोई सरकार नही है जिसकी वजह से **बिटकॉइन की कीमत में काफ़ी उतार-चड़ाव होते रहते है** और ये थोड़ा सा रिस्की भी हो जाता है।

दूसरा नुक्सान ये है कि अगर कभी आपका अकाउंट हैक हो जाता है, कोई हैकर आपके अकाउंट को हैक करके बिटकॉइन को चुरा लेता है तो आप अपने सारे **Bitcoins को खो देंगे** और इसे कभी भी वापस नही लाया जा सकता है।

क्योंकि इसमें कोई भी आपकी मदद नही कर पायेगा, ना ही गवर्नमेंट आपकी कोई मदद कर पायेगी और ना ही वॉलेट वाले।

इसीलिए अपने **वॉलेट को ज्यादा से ज्यादा सिक्योर रखने की कोशिश करना चाहिए**। दोस्तों, मुझे उम्मीद है कि आज के इस ब्लॉग-पोस्ट **What is Bitcoin in Hindi** से आपको बिटकॉइन के बारे में काफी सारी चीजे पता चल गयी होगी।

आप जान गये होंगे कि **बिटकॉइन क्या होता है, बिटकॉइन से कैसे ट्रांसक्शन किये जाते है,** इसके क्या फायदे है और क्या नुक्सान है। अगर आप इस जानकारी से संतुष्ट है तो पोस्ट को शेयर जरुर करे।

Copyright 2020 | Continue Gyan